

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के भूतपूर्व चेयर प्रोफेसर का 'द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज' (टीडब्ल्यूएस), इटली के फैलो के रूप में चयन

प्रो. शकील अहमद जिन्होंने एमके गांधी चेयर प्रोफेसर के रूप में जामिया मिल्लिया इस्लामिया में कार्य किया, उन्हें "द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (टीडब्ल्यूएस)", ट्राएस्टे, इटली में फैलो चुना गया है। उन्हें एक विकासशील देश में विज्ञान की उन्नति के लिए इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है। टीडब्ल्यूएस अनुसंधान, शिक्षा, नीति और कूटनीति के माध्यम से स्थायी समृद्धि का समर्थन करता है।

जल विज्ञान के विशेषज्ञ प्रो. अहमद ने जामिया (2018-2020) में अपने 2 साल के कार्यकाल के दौरान सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट के साथ-साथ भूगोल विभाग में भी अध्यापन किया। उन्हें जल से संबंधित प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन में उन्नत विकास अध्यापन का समृद्ध अनुभव है।

जामिया में प्रो. अहमद का योगदान असाधारण रहा है क्योंकि उन्होंने उच्च प्रभाव वाली अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 13 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और आईएनएसए के साथ-साथ स्प्रिंगर और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में 3 अध्यायों का योगदान दिया है। जामिया में अपने कार्यकाल के दौरान, प्रो. अहमद को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (NASI) के फैलो के रूप में भी चुना गया था।

प्रो. अहमद, भारत से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जिसमें भूगोल विभाग, जामिया के प्रो. अतीकुर रहमान और भारत के कई अन्य वैज्ञानिक/विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो फ्रांस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ 'जल प्रबंधन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव' पर मई 2022 को चर्चा करेंगे।

जामिया में शामिल होने से पहले, उन्होंने CSIR के राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 37 वर्षों तक वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया और संस्थान के वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक के स्तर तक पहुँचे। उन्होंने भारत में राष्ट्रीय अकूइफ़र मैपिंग के मेगा कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सहित भू-विज्ञान पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। प्रो. अहमद एशियाई यूनेस्को के एक प्रमुख कार्यक्रम के सचिव के रूप में GWADI के सचिवालय का प्रबंधन कर रहे हैं। उन्हें पहले से ही कई और पुरस्कार प्राप्त हैं जिसमें, राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार और जल विज्ञान के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

प्रो. अहमद ने संस्थापक प्रमुख के रूप में लगभग 2 दशकों तक हैदराबाद में 'इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर ग्राउंडवाटर रिसर्च' का नेतृत्व किया है। वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के फैलो और कश्मीर विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर रहे हैं तथा वर्तमान में वे मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के स्कूल ऑफ साइंसेज में सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया